|| विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Trisha Goel	GENDER :	Femal
DATE OF BIRTH :	14/05/1995	TIME OF BIRTH :	07:42 AM
CITY :	Jagadhri	STATE :	Haryana
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Marriage Report
QUESTION(S) :	Shaadi ki baat hote hote kyun beech mai hi ruk jaati hai?		
Address : G-2104, Ace City, Greater Noida West, Uttar Pradesh, India			
Mobile No. : 9873116371		Email ID : pushpender.goel@gmail.com	
ORDER ID : #1104	PAYMENT ID : 382604628	AMOUNT : ₹570	
Order Date : 30/11/2020	Delivery Date : 04/12/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	मिथुन
चंद्र राशि :	तुला
ईष्ट देव :	शिवजी

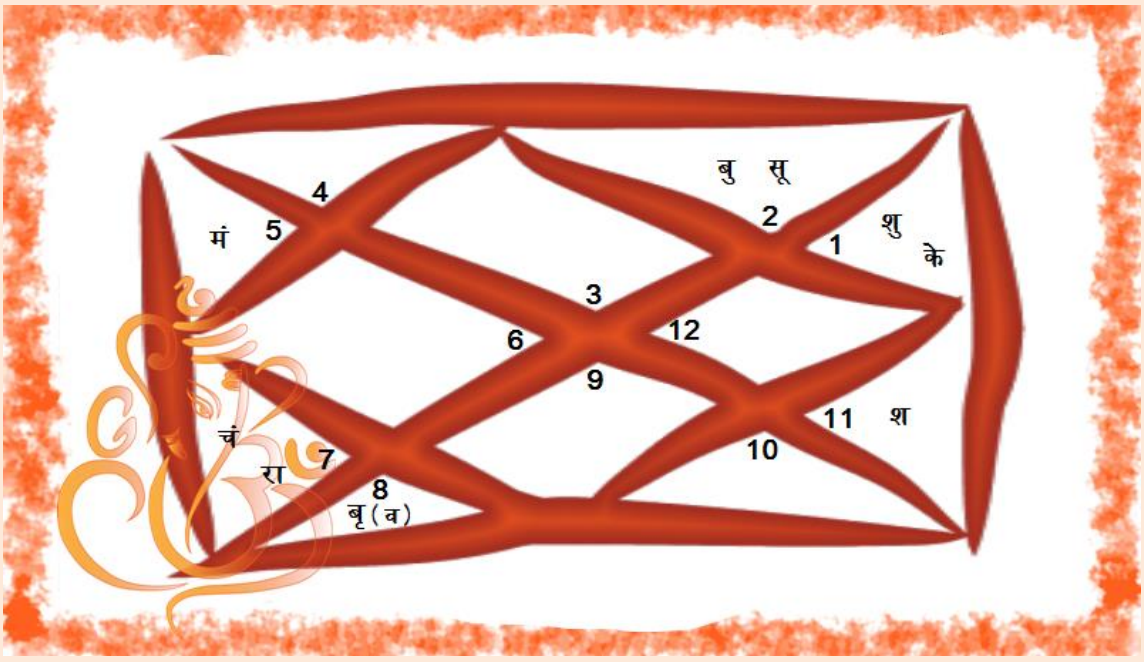

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

तृषा गोयल जी आपकी जन्म कुंडली का विश्लेषण आपके प्रश्न अनुसार करने के पश्चात मैं आपको परामर्श दूंगा कि आप बृहस्पति ग्रह को बल प्रदान करें व उन्हें प्रसन्न करें। कुंडली में सप्तम भाव के स्वामी बृहस्पति छठवें भाव में एवं वक्री होकर स्थित हैं इसी कारण आपके विवाह में बाधा उत्पन्न हो रही है। वर्तमान में आपके विवाह का प्रबल समय चल रहा है। पूर्ण योग बन रहे हैं।

पूर्ण योग बनते हुए भी विवाह नही हो रहा है ? इसके लिए कर्म दोष है अर्थात हम उस दिशा में साकारात्मक कर्म ही नहीं कर रहे हैं। कभी लड़के में कमी नज़र आती है कभी नौकरी का स्तर ठीक नहीं लगता, कभी व्यापार का स्तर ठीक नहीं लगता, कभी लड़का ठीक लगता है तो पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं मिलती या पारिवारिक स्थिति ठीक है तो लड़का अथवा उसका स्तर ठीक नहीं लगता, कभी परिवार के किसी विशिष्ट सदस्य को लड़का पसंद नहीं आ रहा, कभी परिवार को पसंद है आपको नहीं, आपको पसंद है परिवार को नहीं, आदि।

विवाह होगा कब ? और भी अधिक देरी होने पर भी 2022 तक आपका विवाह संपन्न हो जायेगा। और अधिक विघ्न बाधाएं न आयें एवं सही दिशा प्राप्त हो इसके लिए निम्न परामर्शित उपाय तुरंत आरम्भ कर दें।

आपका पति धनवान, वैभववान व भावुक प्रवृत्ति का होना चाहिए। विवाह पश्चात आपको धन वैभव की प्राप्ति होगी। आप विदेश में सैटेल हो इसकी संभावना है । वैवाहिक जीवन में समस्याएं आएँगी। आपकी कुंडली अनुसार विवाह पश्चात पति को स्वास्थय समस्याएं आये इसकी भी पूर्ण संभावना है, अतः विवाह पश्चात समस्या आने से पूर्व ही पति की कुंडली का भी किसी अच्छे ज्ञानवान ज्योतिषी से विश्लेषण करा समाधान प्राप्त करें। पति व ससुराल पक्ष के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार रखें व पति का साथ कभी न छोड़ें। विवाह भी कुंडली का मिलान किसी ज्ञानवान ज्योतिषी से कराने के उपरान्त ही करें।

विशेष उपाय :-

♦ सोना धारण करें। सोने का जो आभूषण आपने धारण कर रखा है अथवा धारण करेंगी उसे शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार को पंचामृत से शुद्ध करने के पश्चात गुरु ग्रह के बीज मंत्र "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" से एक माला रुद्राक्ष (108 जप) मन्त्र जाप कर अभिमंत्रित कर लें तत्पश्चात विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर शीघ्र विवाह एवं उत्तम वर हेतु मनोकामना मांगें व धारण कर लें। स्वर्ण आभूषण बृहस्पतिवार को सूर्योदय से 50 मिनट के भीतर धारण करें। जीवन में जब भी कोई स्वर्ण आभूषण दीर्घावधि के लिए धारण करें इसी प्रकार अभिमंत्रित कर ही धारण करें।

♦ गुरूवार के व्रत विधिवत आरम्भ करें व विवाह पश्चात भी आजीवन करती रहे।

♦ केले के वृक्ष की विधिवत पूजा करें। केले के वृक्ष पर चने के दाल चढ़ाएं।

♦ गुरु ग्रह के बीज मंत्र "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" की एक माला रुद्राक्ष (108 जप) प्रतिदिन करें व विवाह हो जाने के पश्चात भी करती रहे।

♦ शनि ग्रह के बीज मंत्र "ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:" की एक माला रुद्राक्ष (108 जप) प्रतिदिन करें। (आजीवन करती रहे।) शनि को प्रसन्न करने से आपको दिशा मिलेगी आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगी।

♦ शुक्र देव को प्रसन्न करें। शुक्र का प्राणप्रतिष्ठित व अभिमंत्रित यन्त्र अपने बेड़ रूम की साउथ - ईस्ट दिशा (आग्नेय दिशा) में स्थापित करें।

♦ अरंड मूल की जड़ सीधे हाथ की बाँह में शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन ब्याह में बांधें। (विवाह होने तक)

♦ घर की वायव्य (साउथ - ईस्ट) दिशा वाले कमरे में बिना देरी किये शिफ्ट हो जाएँ। उसी में अपना अधिक से अधिक समय व्यतीत करें व वहीँ रात्रि विश्राम भी करें।

♦ प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें | 108 रविवार करें |

रुद्राक्ष :-

6 मुखी नेपाली रुद्राक्ष (प्राणप्रतिष्ठित, सिद्ध व अभिमंत्रित) चांदी की चेन में शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन धारण करें। (जीवन पर्यन्त धारण करें)

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न, नेपाली रुद्राक्ष बीज, रुद्राक्ष माला, ज्योतिष एवं वास्तु सम्बंधित यन्त्र, परद प्रोडक्ट्स, स्फटिक प्रोडक्ट्स, फेंगशुई प्रोडक्ट्स ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

नोट :- उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |